

18/1/21

पञ्जावली प्रेम इति वक्ती ल पञ्जावली  
किन्तु पण्डित न्यायालय समक्ष मे  
बार-बार आवाने लगी जई लेकि  
कोर्ट इपण्डित नही न्यायालय समक्ष  
समाप्त होने जा रहा है

आर: पञ्जावली कडम प्रेमी  
आप हमरी प्रेमी लगी है की पण्डित  
की पञ्जावली प्रेम श्रमा कर  
करिण परवर है

सहायक फरेपटर. सोपिन